एनसीआईसी/01/2024–25/ 28 अगस्त, 2024

सेवा में,

श्रीमान ए. के. शर्मा
माननीय नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री
उत्तर प्रदेश सरकार, लखनऊ।
कैम्प : आगरा।

विषय :–आगरा को विकसित किया जाये आईटी हव के रुप में।

माननीय मुख्यमंत्री ने किये पांच शहरों में आईटी सिटी बनाने के प्रस्ताव। जिसमें आगरा का नहीं है नाम।

चालीस वर्षों से आगरा का नहीं हुआ है विकास – नहीं लगा है कोई नया उद्योग।

टीटीजेड की वजह से लगी है रोक।

श्वेत श्रेणी के अनुसार आईटी हव आगरा के लिए सर्वाधिक अनुकूल।

आगरा ने दिये है सत्ता पक्ष को सौ प्रतिशत प्रतिनिधि – ग्यारह विधायक, तीन सांसद एवं मेयर।

फिर भी आगरा के साथ सौतेला व्यवहार क्यों ?

महोदय,

आगरा आगमन पर इस ताज नगरी में नेशनल चैम्बर ऑफ इण्डस्ट्रीज एण्ड कॉमर्स, यूपी, आगरा आपका हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन करता है। आपने अपने व्यस्त सूची में से समय प्रदान किया, इस हेतु आपके प्रति आभार।

हम निवेदन करना चाहते हैं कि आगरा में 700 करोड़ की लागत से 612 हेक्टेयर में ग्रेटर आगरा बनना प्रस्तावित है। उत्तर प्रदेश कैबिनेट से इसे स्वीकृति भी मिल चुकी है। ग्रेटर आगरा में कई परियोजनाओं के साथ साथ एक मेडिसिटी भी प्रस्तावित है। 612 हेक्टेयर एक बहुत बड़ी भूमि है अतः चौम्बर का मत है कि ग्रेटर आगरा में आईटी सिटी भी बनाई जाये क्योंकि आईटी उद्योग आगरा के लिए हर प्रकार से उपयुक्त है। यह एक गैर प्रदूषणकारी उद्योग होने से आगरा में स्थापित होने पर कोई कानूनी अड़चन नहीं है। जबकि ताज महल को प्रदुषण से बचाने के लिए अन्य प्रदूषणकारी प्रकृति के सभी उद्योंगों पर आगरा में माननीय उच्चतम न्यालय द्वारा रोक लगाईं हुयी है। आगरा सड़क, रेल एवं वायु मार्ग से सभी बड़े शहरों से अच्छी प्रकार से कनेक्ट है। निर्माणाधीन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा जेवर मात्र 30–35 मिनट की दूरी पर है। आईटी सिटी नोएडा से निकटस्थ है तथा एक्सप्रेस वे से बेहतर तरीके से कनेक्टेड है। इसके साथ ही समस्त एनसीआर के निकट व बेहतर तरीके से कनेक्ट है और इस प्रकार एनसीआर में आईटी उद्योग के कार्य का ओवरफ्लो भी आगरा को मिलेगा जिससे एनसीआर व आगरा दोनों में आईटी उद्योग को भी बढ़ावा मिलेगा। चैम्बर के अनुरोध पर आगरा विकास प्राधिकरण ने ग्रेटर आगरा में आईटी सिटी बनाने के लिये सकारात्मक रुख दिखाया है।

यहां शिक्षा का हव होने के कारण कुशल युवा काफी संख्या में उपलब्ध रहता है, जो कम वेतन पर भी अपने शहर में रहकर कार्य करना चाहता है किन्तु रोजगार के आभाव में 15 से 20 हजार की

संख्या में प्रतिवर्ष पलायन कर जाता है। इससे यह शहर धीरे–धीरे बूढ़ों का शहर बनकर रह गया है। अभी हमें यह जानकर आश्चर्य हुआ है कि इतने लम्बे इंतजार के बाद भी हमारे माननीय मुख्यमंत्री महोदय जो आगरा का विशेष ध्यान रखते आ रहे हैं, आईटी सिटी के लिए चयनित 5 शहरों में आगरा को सम्मलित नहीं किया है। यह आगरा के साथ एक सौतेला व्यवहार है।

दिनांक 21 अगस्त, 2024 को चैम्बर का एक प्रतिनिधि मंडल माननीय केन्द्रीय मंत्री संचार, इलैक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी तथा रेलवे, श्री अश्विनी वैश्नव जी से दिल्ली में मिला। जिसमें मंत्री महोदय ने तत्काल नैसकॉम (नेशनल एसोसिएशन ऑफ सॉफ्टवेयर एण्ड सर्विस कम्पनीज) की वरिष्ठ उपाध्यक्ष संगीता गुप्ता को निर्देशित किया कि माननीय केन्द्रीय राज्य मंत्री (मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी व पंचायती राज) प्रो, एस. पी. सिंह बघेल एवं चैम्बर के साथ एक बैठक की जाये एवं आगरा को आईटी हब विकसित करने के लिए उन्हें उचित परामर्श करें और यह देखें कि आगरा में आईटी सिटी कैसे बनेगी। उन्होंने यह भी कहा कि आगरा में आईटी हव का प्रस्ताव राज्य सरकार से आयेगा तो केन्द्र सरकार द्वारा आगरा को आईटी हव के रुप में विकसित करने के लिए हर प्रकार का सहयोगा किया जायेगा।

हमारा निवेदन है कि ग्रेटर आगरा में आई टी सिटी बनाया जाये। साथ ही इनफ़ोसिस, विप्रो, एचसीएल, टीसीएस आदि बड़ी कंपनियों की इकाइयां आगरा में शीघ्र स्थापित कराई जाएँ। आगरा में नवनिर्मित सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजीकल पार्क्स ऑफ इंडिया (एसटीपीआई) का विधवातूद्घाटन कर इसे शीघ्र संचालित किया जाए इससे आगरा में आईटी उद्योग का माहौल उत्पन्न होगा तथा रोजगार के अवसर बढ़ेंगे जिससे आगरा से 15–20 हजार प्रति वर्ष युवाओं का पलायन रुकेगा। जो आगरा के आईटी उद्योग को बढ़ावा देने में पुनः सहायक होगा।

नेशनल चैम्बर ऑफ इंडस्ट्रीज एण्ड कॉमर्स, यू.पी., आगरा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश में उद्योग एवं व्यापार की एक संघीय एवं शीर्ष संस्था है एवं वर्ष 1949 में स्थापित 75 वर्ष से निरंतर कार्यरत है। इसमें 1600 से अधिक औद्योगिक एवं व्यापारिक प्रतिष्ठान जो आगरा जनपद एवं आस पास के जनपदों में स्थित हैं सदस्य हैं। 25 विभिन्न प्रमुख व्यापारिक एवं औद्योगिक संगठन भी चैम्बर के संबद्ध सदस्य हैं।

सादर,

भवदीय,

(अतुल कुमार गुप्ता)
अध्यक्ष